भारतीय भाषा सम्मेलन

छत्तीसगढ़

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय)

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली

भारतीय भाषा मंच, नई दिल्ली

एवं

भारतीय भाषा समिति

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)

का संयुक्त आयोजन

20 मार्च 2024

निःशुल्क पंजीकरण

कार्यक्रम स्थल : रजत जयंती सभागार, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

सम्मेलन के विषय में

भारतीय भाषाओं के संवर्धन के लिए कई स्तरों पर अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। भारतीय भाषा माध्यम से शिक्षा तक हर विद्यार्थी की सुगम पहुँच बन सके, इसके लिए विद्यालयी शिक्षा, उच्च शिक्षा, कौशल शिक्षा आदि क्षेत्रों में महत्वपूर्ण पहल किए जा रहे हैं। भारतीय भाषाओं को युवाओं और जन-जन में आकांक्षी बनाने के लिए इन्हें आधुनिक प्रौद्योगिकी तथा रोज़गार से जोड़ने का व्यापक कार्य हो रहा है। भारतीय भाषाओं में पाठ्यसामग्री के लेखन को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि हर विद्यार्थी को उसकी अपनी भाषा में शिक्षा लेने का अवसर मिल सके। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने भी भारतीय भाषा माध्यम से शिक्षा के लिए कई सार्थक प्रावधानों को प्रस्तुत किया है जिनके आधार पर अनेक कदम उठाये गये हैं। आवश्यकता है कि इन प्रयासों से हर व्यक्ति अवगत हो सके। उल्लेखनीय है कि हमारे सामाजिक-संस्कृतिक-आर्थिक प्रगति में भारतीय भाषाओं की प्रभावी भूमिका है जिससे 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हम जल्द साकार कर पायेंगे। भारतीय भाषाएँ हमारे देश की एकता और एकात्मता की अनूठी वाहक हैं। हमारे देश की भाषाएँ आपस में ऐसे मिली हुई हैं कि उनमें समान शब्दावली, समान वाक्य संरचना, समान ध्वनि व्यवस्था आदि बहुतायत में विद्यमान हैं और इनसब से एक 'भारतीय भाषा परिवार' का निर्माण होता है। हमारे देश की बहुभाषिक संपदा बहुत ही समृद्ध है जिसकी शक्ति का उपयोग राष्ट्रीय विकास के लिए आवश्यक है। इन सब बिंदुओं के प्रति जन-जागरूकता बढ़ें, हर व्यक्ति भारतीय भाषाओं के संवर्धन में योगदान दे और इनके कारण अपने जीवन को समृद्ध करें, ऐसी भारतीय भाषा पारिस्थितिकी (इकोसिस्टम) बनाने के लिए हर निर्धारित क्षेत्र/राज्य में बड़ें स्तर पर एक दिवसीय 'भारतीय भाषा सम्मेलन' उत्सव भाव के साथ आयोजित किया जा रहा है। यह सम्मेलन उस राज्य की भाषाओं पर विशेष रूप से केंद्रित रहेगा। साथ ही, उन भाषाओं के विकास के लिए हो रहे प्रयासों पर भी चर्चा होगी।

प्रतिभागिता के अवसर :

- सत्र परिचर्चा में सहभागिता
- शोधपत्र प्रस्तुति
- पोस्टर प्रस्तुति
- भारतीय भाषा प्रदर्शनी
- भारतीय व्यंजन प्रदर्शनी

संभावित प्रतिभागी :

भाषा शिक्षक व प्राध्यापक, अन्य विषयों के शिक्षक व प्राध्यापक, शोधार्थी, भाषा संस्थानों के पदाधिकारी, शैक्षिककर्मी एवं कार्यकर्ता, विद्यालयों के प्राचार्य, जनप्रतिनिधि, अभिभावक, लेखक, भाषाओं के लिए कार्य करनेवाले भाषाप्रेमी, आदि ।

महत्वपूर्ण तिथि

पंजीयन प्रारंभ होने की तिथि। : 5 मार्च 2024
पंजीयन करने की अंतिम तिथि : 15 मार्च 2024

कार्यक्रम स्थल पर कैसे पहुँचे -

यहाँ क्लिक करें

9 किलोमीटर उसलापूर रेलवे स्टेशन और
11 किलोमीटर बिलासपुर रेलवे स्टेशन से

भारतीय भाषा समिति

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय भाषा विषयक प्रावधानों को मूर्त धरातल पर उतारने तथा भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन एवम संवर्धन हेतु भारतीय भाषा समिति का गठन हुआ है। सुप्रसिद्ध भाषाविद श्री चमू कृष्ण शास्त्री इस समिति के अध्यक्ष हैं।

संस्थान के बारें में

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, भारत का एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर के छत्तीसगढ़ राज्य में केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009, के 2009 के 25 नं. के तहत स्थापित स्थित है। औपचारिक रूप से गुरु घासीदास विश्वविद्यालय(GGU), राज्य विधानसभा के अधिनियम द्वारा स्थापित किया गया था, औपचारिक रूप से 16 जून, 1983 को उद्घाटन किया गया। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय भारतीय विश्वविद्यालयों के संघ और राष्ट्रमंडल विश्वविद्यालय संघ का एक सक्रिय सदस्य है। सामाजिक और आर्थिक रूप से चुनौती वाले क्षेत्र में स्थित विश्वविद्यालय को उचित नाम, महान संत गुरु घासीदास (जन्म 17 वीं सदी में)के सम्मान स्वरूप दिया गया। जिन्होने दलितों, सभी सामाजिक बुराइयों और समाज में प्रचलित अन्याय के खिलाफ एक अनवरत संघर्ष छेड़ा। विश्वविद्यालय एक आवासीय संस्थान है। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में 105,000 से अधिक पुस्तकें, 3,950 पत्रिकाओं के पिछले संस्करण और 1,100 पीएच.डी. शामिल हैं। थीसिस, पुस्तकालय ऑनलाइन डेटाबेस, ई-जर्नल्स और ई-पुस्तकों तक पहुंच भी प्रदान करता है। इस लाइब्रेरी में मुफ्त पहुंच के लिए पर्याप्त संख्या में कंप्यूटर के साथ-साथ एक अच्छी वाई-फाई प्रणाली भी है। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय परिसर मुख्य बिलासपुर शहर से 5 किमी (3.1 मील) दूर 700 एकड़ (2.8 किमी) के क्षेत्र में फैला हुआ है । अरपा नदी विश्वविद्यालय परिसर के समानांतर बहती है।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली

02 जुलाई 2004 से शिक्षा बचाओ आंदोलन प्रारंभ हुआ। भारतीय शिक्षा के पाठ्यक्रमों में व्याप्त विकृतियों, विसंगतियों विद्रूपताओं के विरुद्ध यह आंदोलन हुआ था। इसके परिणामस्वरूप पहली बार शिक्षा के क्षेत्र में पाठ्यक्रम देशव्यापी विमर्श का केन्द्रबिन्दु बना। शिक्षा एक सतत संस्कारित करने वाली प्रक्रिया है और इसमें आधारभूत बदलाव करना केवल आंदोलनों से संभव नहीं है। इसी को ध्यान में रखते हुए 24 मई 2007 को एक नियमित स्वरूप में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का गठन किया गया। न्यास का लक्ष्य देश की शिक्षा को एक नया विकल्प प्रदान करते हुए भारत की शिक्षा व्यवस्था को भारतीय संस्कृति, प्रकृति एवं प्रगति के अनुरूप बनाना है। आरंभ से ही न्यास 'चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास' तथा 'मातृभाषा में शिक्षा' को लेकर सतत क्रियाशील एवं प्रतिबद्ध रहा है। वर्तमान में, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास 10 विषयों, 03 आयामों, कार्य विभागों तथा 02 का महत्वपूर्ण समसामयिक अभियानों के साथ शिक्षण में भारतीयता की पुनर्स्थापना हेतु प्रयासरत है।

भारतीय भाषा मंच

'भारतीय भाषा मंच' का गठन 20.12.2015 को नई दिल्ली में किया गया। लंबे समय से देश के भीतर और बाहर भारतीय भाषा-प्रेमियों के बीच में भारतीय भाषाओं को समृद्ध करने की दृष्टि से राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय भाषाओं के लिए पूर्णतः समर्पित एक संगठन के गठन की आवश्यकता का अनुभव किया जा रहा था, जिसकी पृष्ठभूमि में भारत के विभिन्न राज्यों में भारतीय भाषा-प्रेमियों के बीच अनेक संवाद और संगोष्ठियाँ हुई, जिनमें गंभीर चर्चा के पश्चात् यह निर्णय हुआ कि राष्ट्रीय स्तर पर 'भारतीय भाषा मंच' का गठन किया जाए, जो भारतीय भाषाओं के हितों की रक्षा और समृद्धि हेतु कार्य करें।

भारतीय भाषाओं के संरक्षण एवं संवर्द्धन हेतु संकल्पबद्ध 'भारतीय भाषा मंच' भारतीय भाषाओं की एकात्मता एवं भारतीय भाषाओं में शिक्षा-व्यवस्था हेतु निरंतर प्रयासरत है। समाज - जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय भाषाओं का व्यवहार प्रमुखता से प्रयोग हो, इस दृष्टि से 'भारतीय भाषा मंच' देशभर में सकारात्मक विमर्श खड़ा करने का काम करता है।

संरक्षक

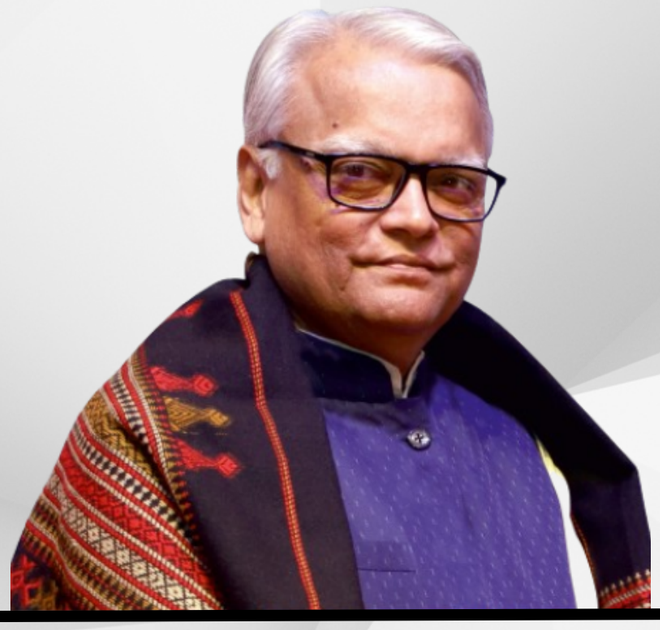

डॉ. अतुल कोठारी

राष्ट्रीय सचिव
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास
नई दिल्ली

प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल

माननीय कुलपति
गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय
छत्तीसगढ़

दिशाबोध

श्री ए विनोद

राष्ट्रीय सह-संयोजक
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास
नई दिल्ली

डॉ. राजेश्वर कुमार

राष्ट्रीय संयोजक
भारतीय भाषा मंच
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास
नई दिल्ली

प्रो. मनीष श्रीवास्तव

कुलसचिव
गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय
छत्तीसगढ़

राष्ट्रीय संयोजक

डॉ. चंदन श्रीवास्तव

शैक्षिक समन्वयक
भारतीय भाषा समिति
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

समन्वयक

प्रो. माधवेंद्र नाथ त्रिपाठी

अधिष्ठाता
विधि संकाय
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
बिलासपुर

सह समन्वयक

प्रो. सुंधाशु रंजन मोहपात्र

विभागाध्यक्ष
विधि विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
बिलासपुर

कार्यक्रम संयोजक

डॉ. अजय सिंह

सहायक आचार्य
विधि विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
बिलासपुर

श्री आशुतोष कुमार - 8210892125 (asto3436@gmail.com)
श्री अनमोल कुमार - 9931523380 (anmolk684@gmail.com)
श्री अमन प्रकाश - 7979985732 (1amanprakash@gmail.com)
सुश्री शुभा - 9693006160 (shubha2521@gmail.com)